Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Estd. 1861

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE
FIRST TERM EXAMINATION (2025-26)
CLASS - X
HINDI

TIME- 3 hrs **M.M.-80**

The paper comprises two Sections- Section A and Section B

Attempt any four questions from Section A. Attempt any four questions from Section B answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

Section A (40 Marks)
(Attempt all Questions)

प्र0–1 निम्नलिखित विषयो मे से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए– **[15]**

(1.) समाज मे फैली समस्याओ में महॅगाई तथा जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर समस्या है। इसके कारण तथा दुष्परिणामों का उल्लेख करते हुए अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(2.) "परोपकार की भावना लोक–कल्याण मे पूर्ण होती है। हमें भी परोपकार से भरा जीवन ही जीना चाहिए।" विषय को स्पष्ट करते हुए विषय पर प्रकाश डालिए।

(3.) संयुक्त परिवार के किसी ऐसे उत्सव के आनंद का विस्तार से वर्णन कीजिए, जहॉ आपके परिवार के सभी बच्चे–बुजुर्ग उपस्थित थे।

(4.) "सावधानी हटी और दुर्घटना घटी" कहावत के आधार पर मौलिक कहानी लिखिए।

(5.) प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

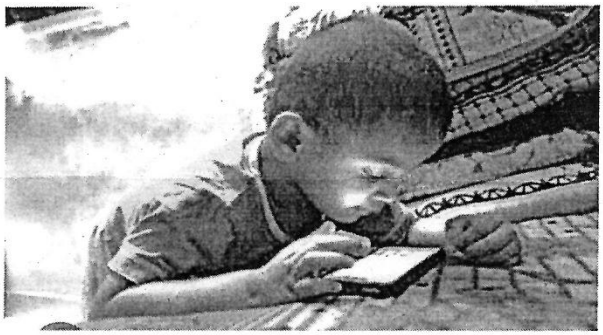

प्र0–2 निम्नलिखित मे से किसी एक विषय पर हिन्दी मे लगभग 120 शब्दो में पत्र लिखिए– **[7]**

(1.) एक दिन आप किसी होटल मे गए। वहॉ आपने बालश्रम होते हुए देखा। इसकी शिकायत करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री को पत्र लिखिए।

(2.) अस्वस्थ दादा जी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए दादी जी को पत्र लिखिए।

प्र0–3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उनके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिन्दी मे दीजिए उत्तर आपके अपने शब्दो मे होने चाहिए। **[10]**

पंजाब मे उस वर्ष भयंकर अकाल पड़ा था। उन दिनों वहॉ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होनें यह घोषणा करवा दी, "महाराज के आदेश से शाही भंडार–गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार मे जितना अनाज उठा सके, ले जाए।" यह घोषणा सुनते ही गॉवो व शहरों से जरूरतमंदो की भीड़ राजमहल मे उमड़ पड़ी। उन दिनो लाहौर मे एक सद्गृहस्थ बूढ़े सज्जन रहते थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन मे कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था। अॅधेरा होने पर वह शाही भंडार के दरवाजे पर पहुॅचे। द्वार खुला था, किसी तरह की कोई जॉच–पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने बड़े संकोच से अपनी चादर को फैलाया, उसके कोने मे थोड़ा–सा अनाज बॉध लिया। ज्यादा अनाज उठाना उनके लिए मुश्किल था। इतने मे पगड़ी बॉधे एक व्यक्ति वहॉ आया। उसने कहा, "भ्राताजी आपने तो काफी कम अनाज लिया है।" बूढ़े सज्जन ने कहा, "असल मे मै बूढ़ा लाचार हूॅ। इस अकाल में तो थोड़ा अनाज लेना ही सही है, जिससे सब जरूरतमंदो को मिल जाए।"

उस व्यक्ति ने बूढ़े की गठरी खोल दी। उसमें भरपूर अनाज पर दिया। बूढ़े सज्जन ने कहा, "मै इतना अनाज नहीं उठा सकता और न ही इसकी मजदूरी का पैसा दे सकता हूॅ।" इतने मे उस अजनबी ने बूढ़े की गठरी अपने कंधों पर ले ली और बूढ़े के पीछे–पीछे चल पड़ा। जब वे बूढ़े के घर के द्वार पर पहुॅचे, तो वहॉ दो

बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें देखते ही वे बोले– "बाबा, कहॉ चले गए थे?" बूढ़ा खामोश रहा।

अजनबी ने कहा, "घर में कोई बड़ा लड़का नही है?" बूढ़ा बोला, "लड़का था लेकिन काबुल की लड़ाई में शहीद हो गया। अब बहू है तथा मेरे ये पोते है।" वह अजनबी बोला, "भाई जी धन्य है आप, जिनका बेटा देश के लिए शहीद हो गया।"

रोशनी में बूढ़े ने उस अजनबी को पहचान लिया। वे खुद महाराज रणजीत सिंह थे। बूढ़े ने पोतों से कहा, "इनको सामने दंडवत प्रणाम करो।" और स्वयं भी प्रणाम करने लगे और थोड़ी देर बाद बोले, "आज मुझसे बड़ा पाप हो गया। आपसे बोझा उठवाया।" "नही, यह पाप नही, मेरा सौभाग्य था कि मैं शहीद के परिवार की सेवा कर सका। आप सबकी सेवा करना मेरा फर्ज है। अब आप जीवन–भर हमारे साथ रहिए और हमें कृतार्थ कीजिए।"

(क) राज्य को किस विपत्ति का सामना करना पड़ा था? उन दिनो वहॉ के राजा कौन थे और उन्होनें उस समस्या का क्या समाधान निकाला?
(ख) राजा ने राज्य मे क्या घोषणा करवाई और क्यो?
(ग) बूढ़े आदमी के बारे मे आप क्या जानते है? उनका पूर्ण परिचय दीजिए।
(घ) बूढ़े आदमी ने थोड़ा–सा अनाज ही क्यो लिया था? कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस अजनबी व्यक्ति ने उस बूढ़े की सहायता कैसे की?
(ड़) इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए।

प्र0–4 निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **[8]**

(1) 'निश्चेष्ट' का विलोम बताइए।
(a) सतर्क (b) प्रवेष्ट (c) सचेष्ट (d) सजग

(2) 'चपला' का पर्यायवाची बताइए।
(a) उरग (b) पिक (c) पिनाक (d) दामिनी

(3) 'कौटिल्य' का विलोम शब्द बताइए।
(a) आर्जव (b) पराजय (c) संकुचित (d) प्रमुख

(4) 'निपुण' शब्द की भाववाचक संज्ञा बताइए।
(a) निपुणे (b) निपुणता (c) निनाद (d) निपुणाई

(5) 'भारत' का विशेषण बताइए।
(a) भारतीयता (b) भारतवर्ष (c) भारती (d) भारतीय

(6) 'डींग हॉकना' मुहावरे का अर्थ बताइए।
(a) ज्ञान होना (b) बहुत रूलाना (c) स्पष्ट कहना (d) बढ़ा–चढ़ा कर कहना

(7) 'आर्शिवाद' का शुद्ध रूप बताइए।
(a) आशीर्वाद (b) आशीरवाद (c) आशिरवाद (d) आशरवाद

(8) असफल हो जाने पर, उसे भारी दुःख हुआ। (वाक्य शुद्ध कीजिए)
(a) असफल हो जाने पर, उसे बहुत दुःख हुआ।
(b असफल हो जाने पर, उसे क्यों दुःख हुआ।
(c) असफल हो जाने पर उसे हल्का दुःख हुआ।
(d) असफल हो जाने पर उसे थोड़ा दुःख हुआ।

Section B (40 Marks)

(Answer four question from this section)

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर– संक्षिप्त कहानियॉ

प्र0–5 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

आनंदी की त्यौरी चढ़ गई। झुंझलाहट के मारे बदन में ज्वाला–सी दहक उठी। **बड़े घर की बेटी (प्रेमचंद)**

(i) आनंदी की त्यौरी क्यों चढ़ी हुई थी? वह किसका इंतजार कर रही थी? **[2]**
(ii) श्रीकंठ सिंह ने आनंदी से क्या जानना चाहा? **[2]**
(iii) इससे पहले लालविहारी और बेनीमाधव सिंह श्रीकंठ सिंह से क्या कह चुके थे? **[3]**
(iv) आनंदी से घटना का हाल जानकर श्रीकंठ सिंह को कैसा लगा? उन्होनें अपने पिता से क्या कहा? **[3]**

प्र0–6 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिन्दी मे लिखिए।

जिस तरह सूखी लकड़ी जल्दी से जल उठती है, उसी तरह क्षुधा से बावला मनुष्य जरा–जरा सी बात पर तिनक जाता है।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(i) धर्मसंकट की स्थिति में कौन था व क्यो? [2]
(ii) आनंदी के नए घर की स्थिति का वर्णन अपने शब्दो मे कीजिए। [2]
(iii) लालबिहारी कौन था? उसनें आनंदी को क्या पकाने को कहा? [3]
(iv) लालबिहारी के क्रोध का क्या कारण था? सूखी लकड़ी की तुलना किससे की गई? [3]

प्र0–7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

श्यामा ने एक बार गहरी दृष्टि से रामनिहाल को देखा। वह चुप हो गया। श्यामा ने आज्ञा भरे स्वर मे कहा, "आगे और भी कुछ है या बस?

– (सन्देह– जयशंकर प्रसाद)

(i) प्रस्तुत गद्यांश मे श्यामा कौन है, उसके चरित्र की विशेषताओ पर प्रकाश डालिए। [2]
(ii) श्यामा ने किससे तथा क्या कहा? स्पष्ट कीजिए [2]
(iii) 'वही कहो न।" पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि 'वही' शब्द मे कौन सी बाते निहित थी? [3]
(iv) मनोरमा ने रामनिहाल से क्या प्रार्थना की तथा रामनिहाल को किस बात का सन्देह हो रहा था? स्पष्ट कीजिए। [3]

साहित्य सागर– पद्य भाग

प्र0–8 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

खीजत जात माखन खात।
अरूण लोचन, भौह टेढ़ी बार–बार जम्हात।।
कबहुँ रूनझुन चलत द्युटुरन धूर धूसर गात।
कबहुँ झुक के अलक खेचत, नैन जल भर लात।।
कबहु तुतरे बोल बोलत, कबहुँ बोलत तात।
सूर हरि की निरखि सोभा, निमिख तजत न मात।।

(i) प्रस्तुत पद मे सूरदास जी ने कृष्ण के किस रूप का चित्रण किया है तथा कृष्ण की झल्लाहट का क्या कारण है? [2]
(ii) कृष्ण झल्लाहट मे क्या–क्या कर रहे है? [2]
(iii) सूर की भक्ति–भावना बताते हुए उनका संक्षिप्त परिचय लिखिए। [3]
(iv) पद के आधार पर निम्नलिखित शब्दो के अर्थ लिखिए– लोचन, धूर–धूसर, गात, निरखि, तजत द्युटुरन। [3]

प्र0–9 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

मैया मेरी, चंद्र खिलौना लैहौ।
धौरी को पय पान न करिहौ, बेनी सिर न गुथै हौ।
मोतिन माल न धरिहौ उरपर झंगुली कंठ न लैहो।
जैहौ लोट अबहिं धरनी पर, तेरी गोद न ऐहौ।।
लाल कहैहौ नंद बाबा को, तेरो सुत न कहैहौ।।

(i) प्रस्तुत पद्य मे कौन अपनी माता से जिद कर रहे है? वे क्या प्राप्त करना चाहते है? [2]
(ii) उनकी माता कौन है? वे अपने पुत्र को देखकर कैसा अनुभव कर रही है? [2]
(iii) श्री कृष्ण खिलौना न मिलने पर क्या–क्या धमकियॉ दे रहे है? [3]
(iv) रूठे हुए बालक को मनाने के लिए मॉ क्या कहती है? बालक पर उसका क्या प्रभाव पड़ा है वर्णन कीजिए। [3]

प्र0–10 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिन्दी मे लिखिए–

जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिए ताहि कोटि वैरी समजद्पि परम सनेही।।
तज्यो पिता प्रहलाद विभीषण बन्धु, भरत महतारी
बलि गुरू तज्यो, कंत ब्रज वनितन्हि, भए मुद मंगलकारी।।
नाते नेह राम के मनियत, सुहुद, सुसेत्य जहॉ लौ।।
अंजन कहा ऑख जेहि फूटै, बहु तक कहौ कहॉ लौ।।

(i) 'तजिए ताहि कोटि वैरी सम' से कवि क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए। [2]
(ii) राम की भक्ति मे किन–किन लोगो ने किनका त्याग किया है? [2]
(iii) अंजन कहा ऑख जेहि फूटै, बहू तक कहॉ कहॉ लौ। पंक्ति की व्याख्या कीजिए। [3]
(iv) कवि तुलसी के ईष्ट प्रभु का नाम बताइए। उनकी भाषा और भक्ति–भावना का परिचय दीजिए। [3]

****

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE